

## ● पढ़ो, समझो और गाओ :

### ७. करना है निर्माण

- गौकरन वर्मा

रचनाएँ : उठो साथियो कदम मिलाकर, करने दूर अंधेरा, परिचय : एक सफल क्रांती गीत के निर्माता के रूप में प्रसिद्ध ।  
प्रस्तुत कविता में भारत की महिमा एवं उसकी सुंदरता को बताया गया है ।

\* चित्र के आधार पर काल संबंधी वाक्य बनाओ और समझो :

कल ← आज → कल

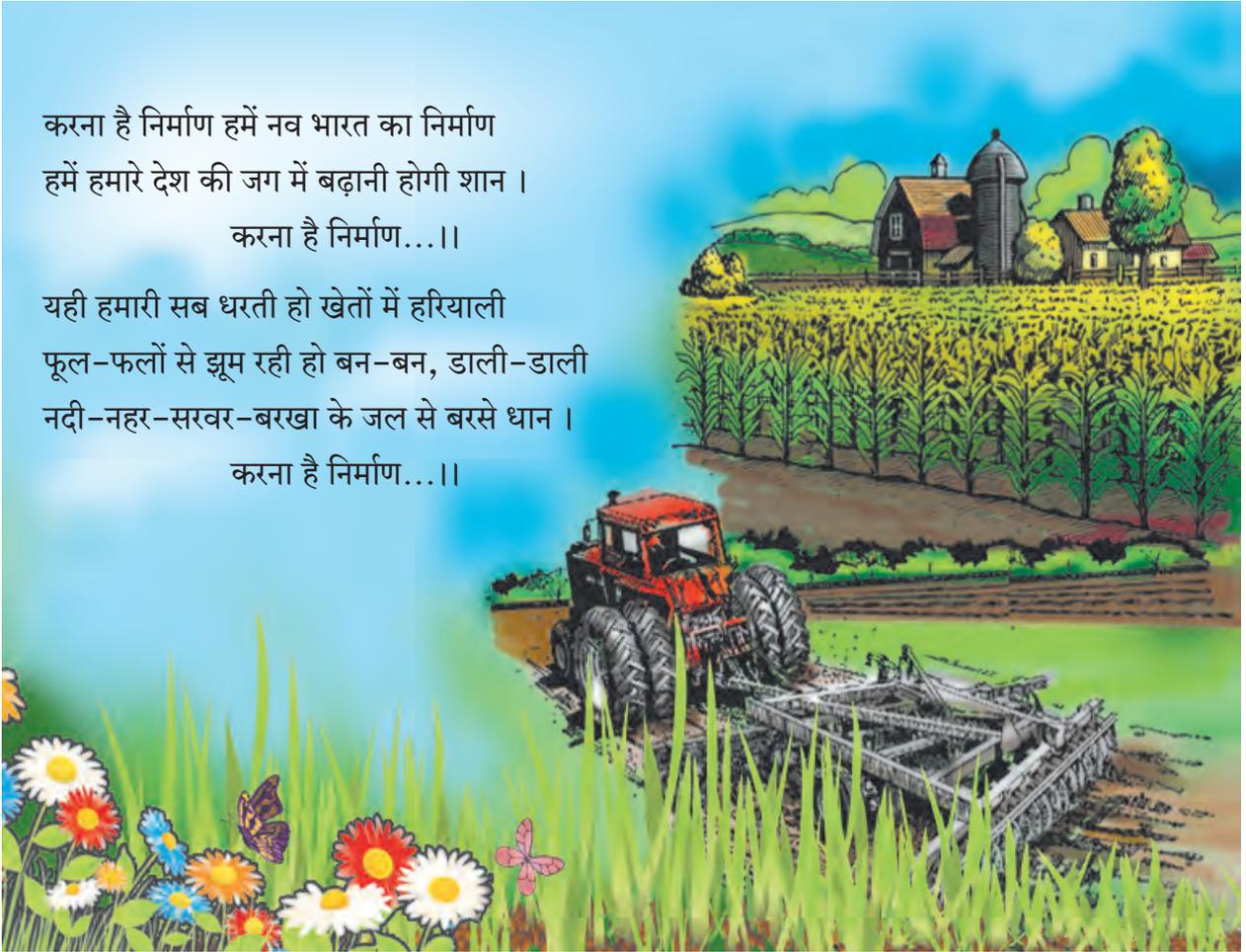


करना है निर्माण हमें नव भारत का निर्माण  
हमें हमारे देश की जग में बढ़ानी होगी शान ।

करना है निर्माण...।।

यही हमारी सब धरती हो खेतों में हरियाली  
फूल-फलों से झूम रही हो बन-बन, डाली-डाली  
नदी-नहर-सरवर-बरखा के जल से बरसे धान ।

करना है निर्माण...।।

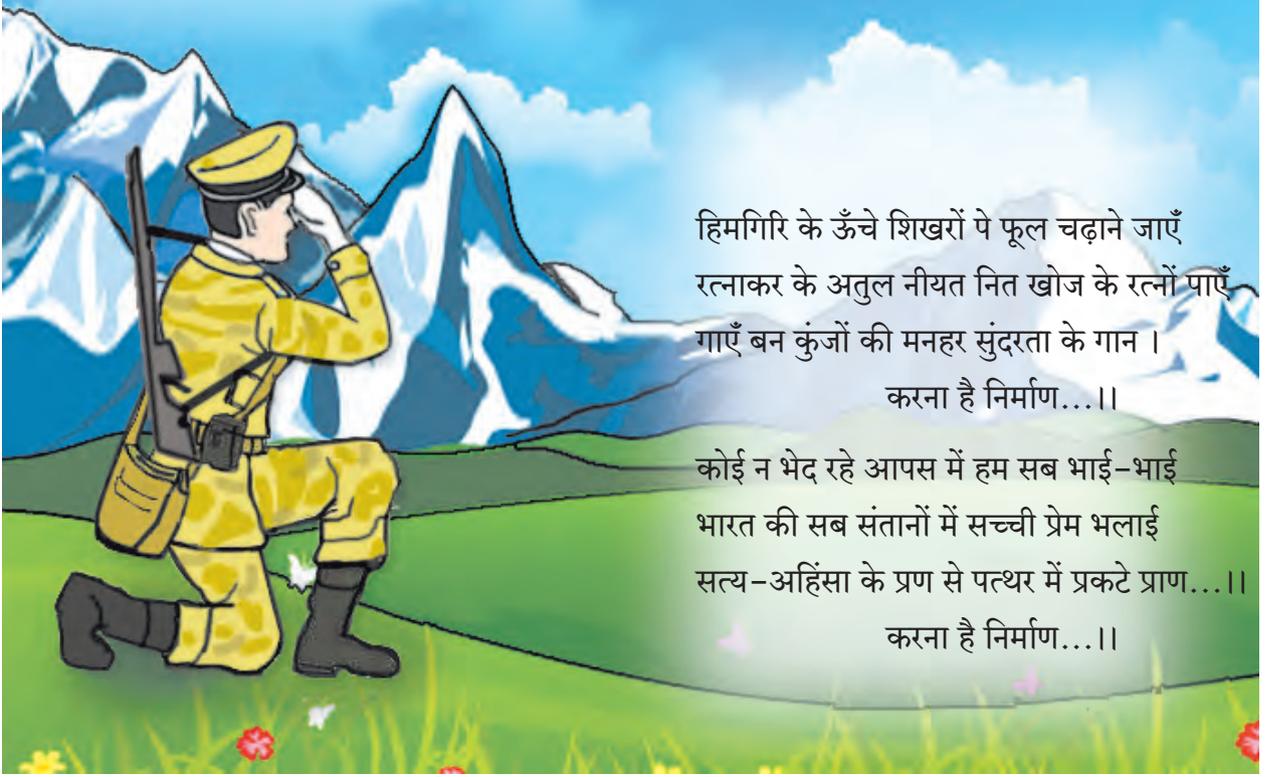


- कविता में आए काल (करना है, बढ़ानी होगी) समझाएँ । काल के भेदों सहित अन्य वाक्य कहलवाएँ और दृढ़ीकरण करवाएँ । विद्यार्थियों से कविता को हाव-भाव के साथ सामूहिक गवाएँ । भावार्थ समझाकर अर्थ पूछें । उनमें देशप्रेम की भावना जगाएँ ।



## जरा सोचो ..... बताओ

यदि हिमालय की बर्फ पिघलनी बंद हो जाए तो .....



हिमगिरि के ऊँचे शिखरों पे फूल चढ़ाने जाएँ  
रत्नाकर के अतुल नीयत नित खोज के रत्नों पाएँ  
गाएँ बन कुंजों की मनहर सुंदरता के गान ।

करना है निर्माण...।।

कोई न भेद रहे आपस में हम सब भाई-भाई  
भारत की सब संतानों में सच्ची प्रेम भलाई  
सत्य-अहिंसा के प्रण से पत्थर में प्रकटे प्राण...।।

करना है निर्माण...।।



मैंने समझा



शब्द वाटिका

नए शब्द

नव = नया

सरवर = तालाब

हिमगिरि = हिमालय

रत्नाकर = समुद्र

अतल = अथाह, बहुत गहरा

नीर = पानी

मनोहर = मनोहर



खोजबीन

‘परमवीर चक्र’ पुरस्कार प्राप्त सैनिकों की सूची बनाओ ।

देखें ([www.paramvirchakra.com](http://www.paramvirchakra.com))

